

हरियाणा सरकार
विधि तथा विधायी विभाग
अधिसूचना

दिनांक 20 जून, 2019

संख्या लैज. 16/2019.— दि हरियाणा लेजिस्लेटिव असेम्बली (फेसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमेन्डमेन्ट ऐक्ट, 2019, का निम्नलिखित हिन्दी अनुवाद हरियाणा के राज्यपाल की दिनांक 28 मई, 2019 की स्वीकृति के अधीन एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है और यह हरियाणा राजभाषा अधिनियम, 1969 (1969 का 17), की धारा 4—क के खण्ड (क) के अधीन उक्त अधिनियम का हिन्दी भाषा में प्रामाणिक पाठ समझा जाएगा :—

2019 का हरियाणा अधिनियम संख्या 16

हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) संशोधन अधिनियम, 2019

हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) अधिनियम, 1979

को आगे संशोधित

करने के लिए

अधिनियम

भारत गणराज्य के सत्तरवें वर्ष में हरियाणा राज्य विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हों :—

1. यह अधिनियम हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) संशोधन अधिनियम, 2019, कहा सकता है।
2. हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा) अधिनियम, 1979 की धारा 3 के स्थान पर, निम्नलिखित धारा प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

संक्षिप्त नाम।

1979 के हरियाणा अधिनियम 9 की धारा 3 का प्रतिस्थापन।

“3. सुविधाएं.— (क) ऐसी शर्तों तथा परिसीमाओं, जो विहित की जाएं, के अध्वधीन, कोई सदस्य निर्मित गृह या फ्लैट खरीदने के लिए या सहकारी ग्रुप आवासीय सोसाइटी, जिसका वह सदस्य है, द्वारा निर्मित किए जाने वाले गृह या फ्लैट के निर्माण के लिए साठ लाख रुपये से अनधिक लौटानेयोग्य गृह निर्माण अग्रिम लेने के लिए इस शर्त के अध्वधीन हकदार होगा कि इस खण्ड और खण्ड (घ) और (ङ) के अधीन लिए गए लौटानेयोग्य अग्रिमों, यदि कोई हों, की कुल राशि अस्सी लाख रुपये से अधिक न हो।

(ख) कोई सदस्य उपरोक्त खण्ड (क) में यथा विहित उन्हीं निबंधनों और शर्तों पर, पूर्व अग्रिम पर ब्याज सहित मूल राशि की वसूली के पूरा होने के तुरन्त बाद दूसरी बार लौटानेयोग्य गृह निर्माण अग्रिम लेने के लिए भी हकदार होगा।

(ग) ब्याज सहित पूर्व गृह निर्माण अग्रिम की वापसी पर, साठ वर्ष की आयु से नीचे का कोई सदस्य तीसरी बार के लिए, उपरोक्त खण्ड (क) में यथा विहित उन्हीं निबंधनों तथा शर्तों पर राशि के पच्चास प्रतिशत के बराबर, लौटानेयोग्य गृह निर्माण अग्रिम लेने के लिए इस शर्त के अध्वधीन हकदार होगा कि इस खण्ड और खण्ड (घ) और (ङ) के अधीन लिए गए लौटानेयोग्य अग्रिम, यदि कोई हों, की कुल राशि पच्चास लाख रुपये से अधिक न हो।

(घ) कोई सदस्य अपने गृह की मुख्य मरम्मत, परिवर्धन या परिवर्तन करने के लिए अधिकतम दस लाख रुपये तक लेने के लिए भी हकदार होगा :

परन्तु गृह निर्माण अग्रिम के लिए बकाया मूल राशि पच्चास लाख रुपये से अधिक न हो।

(ङ) कोई सदस्य, मोटर—कार की खरीद के लिए बीस लाख रुपये से अनधिक की राशि या उसकी प्रत्याशित कीमत, जो भी कम हो, का मोटर—कार अग्रिम लेने के लिए हकदार होगा :

परन्तु कोई सदस्य हरियाणा विधानसभा, जो पांच वर्ष या कम की अवधि के लिए हो सकती है, के कार्यकाल में ब्याज सहित प्रथम मोटर—कार अग्रिम के पुनः भुगतान पर द्वितीय कार अग्रिम भी लेने के लिए पात्र होगा।

.....

मीनाक्षी आई० मेहता,
सचिव, हरियाणा सरकार,
विधि तथा विधायी विभाग।